हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
धर्मशाला
हिन्दी विभाग

हिन्दी अध्ययन समिति (पाठ्य समिति- BOS) की बैठक आज 7.2.2020 को सम्पन्न हुई। इसमें बाह्य विशेषज्ञों के साथ मा. कुलपति द्वारा नामित सदस्य भी उपस्थित हैं। पाठ्य समिति के विशेषज्ञों ने हिन्दी एम.ए. प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के अधोलिखित पाठ्यक्रम बनाये ... ।

बिन्दु-1. प्रथम सेमेस्टर-
1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल)
2. आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य
3. कहानी
4. हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान (संशोधित)
5. व्यावहारिक हिन्दी (कौशल विकास)
6. व्यक्तित्व विकास

द्वितीय सेमेस्टर-
1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
2. रीतिकालीन काव्य
3. उपन्यास
4. प्रवासी हिन्दी साहित्य (निरस्त किया गया)
5. हिमाचल का हिन्दी साहित्य (डॉ. सारस्वत द्वारा निर्मित किया जायेगा।)

तृतीय सेमेस्टर-
1. काव्यशास्त्र
2. आधुनिक हिन्दी काव्य
3. हिन्दी निबंध
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं पत्रकारिता (संशोधित)
5. पूर्वोत्तर साहित्य (डॉ. चौधरी द्वारा निर्मित तक प्रेषित)

चतुर्थ सेमेस्टर-
1. हिन्दी आलोचना
2. छायावादोत्तर काव्य
3. हिन्दी नाटक एवं रंगमंच
4. हिन्दी ~~प्रदेश~~ का लोक साहित्य
5. लघुशोधप्रबंध एवं मौखिकी

बिन्दु-2. अनुवाद-स्नातकोत्तर पत्रोपाधि (डिप्लोमा-पीजी. कोर्स) कुल आठ प्रश्नपत्र स्वीकृत किये गये।

बिन्दु-3. हिन्दी शोधार्थी- श्री भरत सिंह का शोधशीर्षक - 'गद्दियाली लोकगीतों का साहित्यिक विश्लेषण एवं मूल्यांकन' स्वीकार किया गया।

(हस्ताक्षर) 07/02/2020

बिन्दु-4. बाह्य परीक्षकों की सूची (संख्या-52) को स्वीकृत किया गया।

बिन्दु-5. हिन्दी विभाग का शोधार्थी- श्री गोविन्द थापा क्षेत्री के सह-निर्देशक (को-गाइड) पर विचार किया गया। शोध समिति को निर्धारित करने पर छोड़ा गया जिससे शोधार्थी का कार्य निर्बाध गति से चलता रहे।

बिन्दु-6 उपर्युक्त पाठ्यक्रम को तीन वर्षों के लिए ~~प्रस्तावित~~ किया जाता है।

[signature] 7.2.2
हिन्दी विभागाध्यक्ष

1. डॉ. भूपेन्द्रनाथ रायचौधरी [signature] 7.02.2020
2. डॉ. ओमप्रकाश सारस्वत - [signature] 07/02/2020
3. डॉ. बलदेवभाई शर्मा [signature]
4. डॉ. संजीव गुप्ता [signature]
5. डॉ. बृहस्पति मिश्र [signature]
6. डॉ. चन्द्रकान्त सिंह [signature] 7/02/2020